नवभारत
पुणे, गुरुवार, दि. १६ जुलै २०२६

पांडुरंग भक्ति के रंग में डूबा शहर

पुणे. भक्ति, संस्कृति और शास्त्रीय नृत्य का अनूठा संगम फ्यूल एज्युकेशन इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित 'माऊली-एक शाश्वत परंपरा' कार्यक्रम में देखने को मिला. इसमें अंतरराष्ट्रीय भरतनाट्यम नृत्यांगना कलईमामणि बाला देवी चंद्रशेखर ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति से पांडुरंग भक्ति को जीवंत कर दिया. उन्होंने संत तुकाराम, संत ज्ञानेश्वर, संत नामदेव और संत एकनाथ के अभंगों पर भावपूर्ण नृत्य किया. बाला देवी चंद्रशेखर ने कहा कि समाज के प्रति दायित्व निभाते हुए उन्होंने यह प्रस्तुति बिना किसी मानदेय के दी है. संस्थापक अध्यक्ष डॉ. केतन देशपांडे ने ग्रामीण महिलाओं के कौशल विकास और आत्मनिर्भरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई. इस अवसर पर मयूरी देशपांडे, सचिन अंबरडीकर, अमित वाजगे उपस्थित थे, जबकि संचालन स्मिता कुलकर्णी ने किया.